आउटकम बजट–2024–25

आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवा निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।

धनराशि हजार में

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		01–04–2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउट कम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व (हजार में)	पूंजीगत (हजार में)					
केन्द्र पोषित योजनान्तर्गत									
1	राष्ट्रीय आयुष मिशन की स्थापना	1. आम जनता तक आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ पहुंच तथा सुदृढीकरण। 2. आयुष हेल्थ एवं वैलनेस केन्द्रों के माध्यम से रोगों का निस्तारण कम व्यय भार पर करना। 3. आयुष विंग के माध्यम से जिला चिकित्सालय, प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष चिकित्सा सेवाओं को उपलब्ध कराना। 4. आयुष चिकित्सा शिक्षा केन्द्रों का सुदृढीकरण।	800000	0	1–आयुर्वेदिक/यूनानी/हौम्योपैथिक चिकित्सालयों/आयुष विंगों के माध्यम से औषधियों का वितरण। 2– 10 एवं 50 शैययायुक्त आयुष चिकित्सालय की स्थापना। 3– पब्लिक हैल्थ कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुर्विद्या एवं सुप्रजा कार्यक्रम का संचालन। 4–300 हैल्थ एवं वैलनेश केन्द्रों का सुदृढीकरण(क्रियाशील 194)। 5–आयुर्वेदिक एवं हौम्योपैथिक चिकित्सालयों में दैनिक कैम्प। 6. प्रशासनिक व्यय।	आयुर्वेदिक चिकित्सालय जाखणीधार, टनकपुर जनपद चम्पावत, कोटद्वार जनपद पौड़ी निमार्णा कार्य प्रगति पर हैं। 3– पब्लिक हैल्थ कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुर्विद्या के अन्तर्गत 3227 कैम्प आयोजित कर 1 लाख 60 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया एवं सुप्रजा कार्यक्रम के अन्तर्गत 450 सुप्रजा किट वितरित किये गये। 4–300 हैल्थ एवं वैलनेश केन्द्रों का सुदृढीकरण(क्रियाशील 268) 5–आयुर्वेदिक एवं हौम्योपैथिक चिकित्सालयों में 16535 आउटरीच दैनिक कैम्प लगाये गये। जिसमें 2 लाख 24 हजार लाभार्थी लाभान्वित हुए। 6. प्रशासनिक व्यय– राज्य स्तर तथा जनपद स्तर पर कार्यरत प्रोग्राम प्रबन्धन ईकाई में कार्मिकों का मानदेय भुगतान/कन्टीजेन्सी/अन्य व्यय शामिल हैं।	1. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना। 2. आयुर्वेदिक/यूनानी/हौम्योपैथिक चिकित्सालयों/आयुष विंगों के माध्यम से औषधियों का वितरण कर लगभग 36 लाख बंहिरंग/अंतरंग रोगियों का उपचार किया जायेगा। 3– 10 शैययायुक्त के दो तथा 50 शैययायुक्त के चार आयुष चिकित्सालय की स्थापना की जा रही हैं। 4– पब्लिक हैल्थ कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुर्विद्या के अन्तर्गत 3900 कैम्प आयोजित किये जाने हैं। एवं सुप्रजा कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 1000 सुप्रजा किट वितरित किये जायेगें। 5–300 हैल्थ एवं वैलनेश केन्द्रों का सुदृढीकरण। 6–आयुर्वेदिक एवं हौम्योपैथिक चिकित्सालयों में लगभग 25000 आउटरीच दैनिक कैम्प लगाये जायेगे। 7. प्रशासनिक व्यय।	1. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना। 2. आम जनता तक आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ पहुंच तथा सुदृढीकरण। 3. आयुष हेल्थ एवं वैलनेस केन्द्रों के माध्यम से रोगों का उपचार कम व्यय भार पर किया जाना। 4. आयुष विंग के माध्यम से जिला चिकित्सालय, सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष चिकित्सा सेवाओं को बेहतर तरीके से उपलब्ध कराना। 5. आयुष चिकित्सा शिक्षा केन्द्रों का सुदृढीकरण। 6. प्रशासनिक व्यय से मिशन के प्रबन्धन को गति प्रदान होगी।	2024.25
	योग		**800000.00**	**0.00**					
राज्य सहायतित योजनायें									
2	निदेशन तथा प्रशासन	योजना के अन्तर्गत कार्यरत अधिकारियों/कार्मिकों का वेतन एवं प्रशासनिक व्ययों का वहन किया जाता हैं।	214210.00	0.00	1–निदेशालय तथा जनपदीय स्तर के कार्यालयों में कार्यरत 40 अधिकारियों तथा 116 कार्मिकों का प्रशासनिक व्ययों का वहन किया जाता हैं।	1–निदेशालय तथा जनपदीय स्तर के कार्यालयों में कार्यरत 40 अधिकारियों तथा 116 कार्मिकों का प्रशासनिक व्ययों का वहन किया जाता हैं।	1–निदेशालय तथा जनपदीय स्तर के कार्यालयों में कार्यरत 57 अधिकारियों तथा 126 कार्मिकों का प्रशासनिक व्ययों का वहन किया जाता हैं।	1–राज्य में संचालित की जा रही योजनाओं को संचालित करने में प्रशासनिक क्षमता में वृद्धि होगी।	2024-25

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		01–04–2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउट कम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व (हजार में)	पूंजीगत (हजार में)					
3	चिकित्सालय तथा औषधालय	योजना के अन्तर्गत कार्यरत अधिकारियों/कार्मिकों का वेतन एवं प्रशासनिक/अन्य व्ययों का वहन किया जाता हैं।	2494926.00	0.00	राज्य के समस्त जनपदों में संचालित आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों/आयुष विंग में कार्यरत चिकित्साधिकारियों, फार्मासिस्टों, स्टाफ नर्सों, पंचकर्म सहायकों, योगा सहायकों में से 640 चिकित्साधिकारियों तथा 1308 कार्मिकों का वेतन/प्रशासनिक व्ययों का भुगतान किया जा जाता हैं।	राज्य के समस्त जनपदों में संचालित आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों/आयुष विंग में कार्यरत चिकित्साधिकारियों, फार्मासिस्टों, स्टाफ नर्सों, पंचकर्म सहायकों, योगा सहायकों में से 640 चिकित्साधिकारियों तथा 1308 कार्मिकों का वेतन/प्रशासनिक व्ययों का भुगतान किया जा जाता हैं।	1. वित्तीय वर्ष 2024–25 में 243 नवनियुक्त चिकित्साधिकारियों तथा 5 चीफ फार्मासिस्ट के पदों पर पदोन्नति की जानी हैं। 2. राज्य के समस्त जनपदों में संचालित आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों/आयुष विंग में कार्यरत चिकित्साधिकारियों, फार्मासिस्टों, स्टाफ नर्सों, पंचकर्म सहायकों, योगा सहायकों में से 640 चिकित्साधिकारियों तथा 1308 कार्मिकों का वेतन/प्रशासनिक व्ययों का भुगतान किया जा जाता हैं।	1–राज्य में संचालित की जा रही योजनाओं को संचालित करने में प्रशासनिक क्षमता में वृद्धि होगी।	2024-25
4	औषधि निर्माणशाला हरिद्वार	आयुर्वेदिक औषधि निर्माण करना	48422.00	0.00	राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी, हरिद्वार में कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों का प्रशासनिक व्यय वहन किया गया तथा राज्य में संचालित आयुर्वेदिक, यूनानी, आयुष विंग हेतु औषधि निर्माण का कार्य संपादित किया जाता हैं।	राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी, हरिद्वार में कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों का प्रशासनिक व्यय वहन किया गया तथा राज्य में संचालित आयुर्वेदिक, यूनानी, आयुष विंग हेतु औषधि निर्माण का कार्य संपादित किया जाता हैं। वित्तीय वर्ष 2023–24 में अब तक 8 प्रकार की औषधियों का निर्माण किया गया। तथा वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ की धनराशि की औषधियों का निर्माण किया जाना हैं।	राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी, हरिद्वार–कार्यरत कार्मिक के वेतन आहरण किया जायेगा। तथा लगभग 42 औषधियों का निर्माण किया जायेगा। तथा वित्तीय वर्ष में 3 करोड़ की धनराशि की औषधियों का निर्माण किया जाना हैं।	राज्य के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में रोगियों के उपचार किये जाने हेतु औषधियों का निर्माण किया जाना। आगामी वर्षों में लगभग 50 औषधियों का निर्माण किये जाने का लक्ष्य रखा जायेगा।	2024-25
5	राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला	औषधियों के नमूने जांच	5465.00	0.00	01 राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, हरिद्वार में कार्यरत कार्मिकों की संख्या–05 हैं। जिनका प्रशासनिक व्यय का भुगतान किया जाता हैं। तथा औषधियों का सैम्पलिंग परीक्षण किया जाता हैं।	राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, हरिद्वार में कार्यरत कार्मिकों की संख्या–05 का नियमित वेतन इत्यादि प्रशासनिक व्यय का वहन किया जाता हैं। तथा वित्तीय वर्ष में कुल 108 लीगल सैम्पल, 15 शासकीय तथा 1 निजी सैम्पल का परीक्षण किया जायेगा।	राज्य में निजी क्षेत्र में निर्मित औषधियों की गुणवत्ता तथा राज्य के आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आपूर्ति औषधियों की गुणवत्ता नियंत्रित करना। तथा जनपदों से प्राप्त होने वाले औषधियों के सैम्पलों का परीक्षण करना। वर्ष 2024–25 में लगभग 150 सैम्पलों का परीक्षण किया जायेगा।	राजकीय आपूर्तित एवं निजी क्षेत्र में स्थापित औषधि निर्माणशालाओं की औषधियों के नमूना परीक्षण किया जायेगा। तथा अधिक से अधिक निजी सैम्पल प्राप्त कर राजस्व की प्राप्ति की जायेगी।	2024-25

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		01–04–2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउट कम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व (हजार में)	पूंजीगत (हजार में)					
6	भारतीय चिकित्सा परिषद	राज्य में चिकित्साधिकारी, फार्मेसिस्ट, स्टाफ नर्स एवं पचकर्म सहायक के पंजीकरण से पंजीकरण	8463.00	0.00	जनपद–देहरादून में भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा डिप्लोमा धारकों का पंजीकरण किया जाता है।	जनपद–देहरादून में भारतीय चिकित्सा परिषद क्रियावित्त हैं जिनके द्वारा बी0ए0एम0एस0, बी0यू0एम0एस0, फार्मेसी, योगा, पंचकर्मा इत्यादि डिप्लोमा धारकों का पंजीकरण किया जाता हैं। अब तक कुल 29 शिक्षण संस्थाओं का पंजीकरण किया गया है। तथा कुल 2 परीक्षाएं संपादित की गयी हैं। जिसमें कुल 1116 छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।	राज्य में समस्त चिकित्सकों, पैरामेडिकल डिप्लोमा धारकों का नियमानुसार पंजीकरण करना तथा राज्य के समस्त पैरामेडिकल कॉलेजों का नियंत्रण करना। तथा अगामी वर्ष में लगभग 50 शिक्षण संस्थाओं का पंजीकरण किया जायेगा। तथा 3 परीक्षाएं आयोजित की जायेगी। जिसमें लगभग 1500 डिप्लोमा धारकों का पंजीकरण किया जायेगा।	पंजीकृत डिप्लोमा धारकों को चिकित्सा के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध होगा।	2024-25
7	उत्तराखण्ड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय	चिकित्सा शिक्षा से सम्बन्धित समस्त कार्य	510000	0	1. विश्वविद्यालय में 401 कार्मिक कार्यरत हैं एवं विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 3 सरकारी एवं 13 निजी कालेजों का संचालन किया रहा हैं। 2. वर्ष 2018 में 4 कालेज संचालित थें। जिसमें 198 बी0एम0ए0एस0 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 195 छात्र उत्तीर्ण हुए। 3. वर्ष 2019 में 6 कालेज संचालित थें। जिसमें 340 बी0एम0ए0एस0 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 313 छात्र उत्तीर्ण हुए। 4. वर्ष 2020 में 6 कालेज संचालित थें। जिसमें 327 बी0एम0ए0एस0 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 308 छात्र उत्तीर्ण हुए। 5. वर्ष 2021 में 10 कालेज संचालित थें। जिसमें 711 बी0एम0ए0एस0 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 640 छात्र उत्तीर्ण हुए। 6. वर्ष 2022 में 16 कालेज संचालित थें। जिसमें 1079 बी0एम0ए0एस0 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 930 छात्र उत्तीर्ण हुए। तथा वर्ष 2023 में 1079 बी0ए0एम0एस0 प्रतिभाग किया जिसमें से 561 छात्र उत्तीर्ण हुए।	विश्वविद्यालय में 401 कार्मिक कार्यरत हैं एवं विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 3 सरकारी एवं 13 निजी कालेजों का संचालन किया रहा हैं। जिसमें वर्ष 2023 में 1079 बी0ए0एम0एस0 प्रतिभाग किया जिसमें से 561 छात्र उत्तीर्ण हुए।	राज्य में समस्त राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी एवं निजी क्षेत्र में संचालित आयुर्वेदिक एवं यूनानी मेडिकल कालेजों को नियंत्रित सम्बन्धी समस्त कार्यों का निस्तारण	राज्य के राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं निजी क्षेत्र में संचालित आयुर्वेदिक कॉलेजों को नियंत्रित करना तथा सम्बन्धित कॉलेजों में परीक्षा आदि का कार्य सम्पादित करना। एवं नवीन कालेज खोले जाने सम्बन्धी कार्य	2024.25
8	56–सहायक अनुदान (सामान्य गैर वेतन)	केन्द्र पोषित योजनाओं के राज्याशं	40000.00	0.00	केन्द्राशं के अनुसार	केन्द्राशं के अनुसार	केन्द्राशं के अनुसार	आयुर्वेद विभाग को बढावा देना।	2024-25
9	अन्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन	योग दिवस का आयोजन करना	10000.00	0.00	राज्य में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में लगभग 10 से 15 हजार लोगों के द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।	राज्य में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में लगभग 15 से 20 हजार लोगों के द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।	21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्य संचालित करना तथा राज्य के अधिक से अधिक लोगों तक योग के सम्बन्ध में प्रचार प्रसार करना।	राज्य में 21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाता है। जिसमें मा0 मुख्यमंत्री जी एवं अन्य मा0 मंत्रीगण एवं उच्च स्तरीय अधिकारियों एवं आम जन–मानस द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।	2024-25
योग			**3331486.00**	**0.00**					
कुल योग राजस्व			**4131486.00**	**0.00**					
पूंजीगत									

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		01–04–2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउट कम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व (हजार में)	पूंजीगत (हजार में)					
10	राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का भवन निर्माण	भवनों का निर्माण	0.00	30000.00	राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का भवन निर्माण	06 राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का भवन निर्माण	06 राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का भवन निर्माण	राज्य में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को सुदृढ़ किये जाने हेतु जो चिकित्सालय किराये के भवन पर संचालित हैं, वहां पर चिकित्सालय के भवन का निर्माण किया जाना नितान्त आवश्यक है।	2024-25
11	आयुर्वेद विश्वविद्यालय का भवन निर्माण	भवनों का निर्माण	0.00	0.00	विश्वविद्यालय के द्वितीय निर्माण के कार्यों के निर्माण हेतु	विश्वविद्यालय के द्वितीय निर्माण के कार्यों के निर्माण हेतु	विश्वविद्यालय के द्वितीय निर्माण के कार्यों के निर्माण हेतु	विश्वविद्यालय के द्वितीय निर्माण के कार्यों हेतु, ऋषिकुल परिसर हरिद्वार में 75 शैयया बालिका छात्रावास हेतु, गुरूकुल परिसर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर सीटों में वृद्धि होने के कारण छात्रावास के निर्माण हेतु धनराशि की मांग प्रस्तावित है।	2024-25
योग			**0.00**	**30000.00**					
कुल योग			**4131486.00**	**30000.00**					
महायोग (राजस्व+पूंजीगत)			**4161486.00**						